ई-संदेश

21 अगस्त, 2025 | अंक 167

सात दिन – सात पृष्ठ

› स्वाधीनता दिवस हर भारतवासी व प्रदेशवासी के लिए कर्तव्यों के साथ संकल्पित होने का महापर्व : मुख्यमंत्री

› विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस वर्ष 1947
के दर्द को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने का एक प्रयास : मुख्यमंत्री

› वीरांगना रानी अवन्तीबाई लोधी का संघर्ष व बलिदान हर भारतवासी के लिए प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री

› भविष्य में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में सबसे ज्यादा सम्भावना हाइड्रोजन एनर्जी में : मुख्यमंत्री

› अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
का निर्माण होना स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि : मुख्यमंत्री

› सलोनी हार्ट सेंटर प्रदेश वर्ष में 2023 के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सुफल : मुख्यमंत्री

› फॉरेंसिक साइंस आज की आवश्यकता है और भविष्य के विकसित भारत की आधारशिला : मुख्यमंत्री

› प्रदेश की राज्यपाल जी से मुख्यमंत्री जी की शिष्टाचार भेंट

› मुख्यमंत्री जी से इंग्लैंड की उच्चायुक्त की शिष्टाचार भेंट

› स्वतंत्रता दिवस की झलकियां

› पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धांजलि

› मुख्यमंत्री जी ने संस्कृति विभाग का मोबाइल एप लॉन्च किया।

› स्वतंत्रता दिवस की झलकियां

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

स्वाधीनता दिवस हर भारतवासी व प्रदेशवासी के लिए कर्तव्यों के साथ संकल्पित होने का महापर्व : मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज यहां विधान भवन के समक्ष ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में प्रदेशवासियों को 79 वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वाधीनता दिवस हर भारतवासी व प्रदेशवासी के लिए कर्तव्यों के साथ संकल्पित होने का महापर्व है। नागरिक समाज देश व प्रदेश के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करें, तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'विकसित भारत' के संकल्प को आजादी के शताब्दी महोत्सव में साकार किया जा सकता है। हमें वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य के दृष्टिगत अपने नौजवानों को तैयार करना होगा, ताकि उत्तर प्रदेश का नौजवान आने वाले समय में अपनी सामर्थ्य और अपनी प्रतिभा का लाभ उत्तर प्रदेश को दे सके। इस दिशा में सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज देश स्वतंत्रता के 78 वर्ष पूर्ण कर रहा है। देश की स्वतंत्रता अनगिनत त्याग और बलिदान का परिणाम है। स्वाधीनता त्याग और बलिदान मांगती है। स्वाधीनता की यह लड़ाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्णायक नेतृत्व के उपरान्त प्राप्त हुई। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, क्रांतिकारियों, ज्ञात-अज्ञात वीर सैनिकों, स्वाधीन भारत की सीमाओं तथा आंतरिक सुरक्षा की रक्षा करने वाले वीर जवानों को नमन कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की शक्ति और सामर्थ्य को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पूरी दुनिया ने देखा है। वीर जवानों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दुश्मन के छक्के छुड़ाकर भारत की एकता और अखण्डता को सुरक्षित किया है। जब सैनिक देश की सीमाओं के प्रति सजग होकर अपना सर्वोच्च योगदान देते हैं, तब हम चैन की नींद सो पाते हैं। देश एक सुदृढ़ भारत का निर्माण और विकास के सुनहरे सपनों को देख पाता है। राष्ट्रीय पर्वों के माध्यम से हम 78 वर्षों की विकास यात्रा की गाथा को सुनते तथा अनुभव करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश विधानसभा और विधान परिषद की विकास सम्बन्धी चर्चाओं ने सबका ध्यान आकर्षित किया है। विगत 13-14 अगस्त की रात्रि में उत्तर प्रदेश विधायिका ने 'विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के विजन पर एक लम्बी चर्चा की है। इसके लिए हम लोगों ने 03 थीम पर कार्य करना प्रारम्भ किया है।

अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति को लेकर के 12 सेक्टर चिन्हित किए हैं। आज इन 12 सेक्टर्स पर राज्य सरकार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वतंत्रता का मतलब स्वच्छंदता नहीं हो सकती। हम सभी बाबा साहब डॉ0 भीमराव आंबेडकर के बनाए संविधान का सम्मान करते हुए उनके प्रति आदर का भाव रखते हुए संविधान के अनुरूप अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों का पालन करें। भारत वर्ष 2047 में दुनिया की एक बड़ी ताकत होगा। विगत 11 वर्षों में भारत की विकास यात्रा का आत्मवलोकन करने का अवसर देशवासियों को प्राप्त हुआ है।

अपने सम्बोधन में प्रदेश के प्रगति, विकास , सुरक्षा व्यवस्था के बेहतर हुयी स्थितियों की विस्तृत चर्चा के साथ उन्होंने प्रदेश वासियों कोआत्मनिर्भर होने और स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये। इसमें उत्तर प्रदेश, सिक्किम, गुजरात, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी गयीं। समारोह में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी। मुख्यमंत्री जी ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। उन्होंने तिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़े।

मुख्यमंत्री जी ने शौर्य चक्र से अलंकृत शहीद ले0 हरी सिंह बिष्ट व ले0 कर्नल अमित मोहिन्द्रा के परिजन तथा कर्नल भरत सिंह को सम्मानित किया। उन्होंने वीर चक्र से अलंकृत शहीद हवलदार कुंवर सिंह चौधरी, शहीद नायक राजा सिंह, कारगिल युद्ध के वीर नायक शहीद मेजर रितेश शर्मा, शहीद एन0सी0 पुताली (वायु सेना), शहीद नायक अरुण कुमार त्रिपाठी, शहीद ले0 कमाण्डर रजनीकांत यादव, सिग्नल मैन शहीद राजवीर सिंह, शहीद हर्षवर्धन सिंह तथा सेना मेडल से अलंकृत शहीद हवलदार पंकज सिंह, ले0 कर्नल प्रभांशु सिंह, शहीद रक्षाराम, शहीद दिवाकर तिवारी तथा लांस नायक शहीद बचान सिंह के परिजन को सम्मानित किया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस वर्ष 1947 के दर्द को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने का एक प्रयास : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 14 अगस्त, 2025 को यहां जी0पी0 ओ0 स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज पूरा देश विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में 14 अगस्त 1947 की उस भीषण त्रासदी को स्मरण कर रहा है, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2021 में वर्तमान पीढ़ी को अपने इतिहास के साथ जोड़ने के उद्देश्य से प्रारम्भ किया था।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके द्वारा विभाजन की भीषण विभीषिका के शिकार लाखों लोगों की स्मृतियों को जीवन्त बनाए रखने के लिए 14 अगस्त की तिथि को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह उन लाखों परिवारजनों के घावों पर एक मलहम लगाने तथा देश की वर्तमान पीढ़ी को उसके इतिहास से अवगत कराने का भी एक अभियान है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहली बार विभाजन के शिकार लोगों को पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थी के रूप में वर्ष 1947 से पहले तथा उसके पश्चात जम्मू कश्मीर और देश के अलग-अलग भागों में निवास कर रहे लाखों लोगों को सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट के माध्यम से भारत की नागरिकता देने का काम भी प्रधानमंत्री ने प्रारम्भ किया। उनको अस्थाई आवास की सुविधा दी। बेघर लोगों ने अपनी मेहनत व पुरुषार्थ से भारत के विकास में अपना योगदान दिया। राष्ट्रवाद की एक नई अलख को जगाने के लिए अपने आप को समर्पित किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट के माध्यम से पीड़ितों के परिवारों के पुनर्वास के लिए जो योजना बनाई है, उसका उत्तर प्रदेश सरकार ने क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। सी0ए0ए0 के अन्तर्गत पात्रता की श्रेणी में आने वाले पीड़ितां तथा विभाजन की त्रासदी या उसके उपरान्त पाकिस्तान,बांग्लादेश, अफगानिस्तान में भीषण यातनाओं को सहने के बाद जिन्होंने हिंदुस्तान में शरण ली, उन्हें जमीन के पट्टे उपलब्ध कराने तथा पुनर्वास की व्यवस्था कराने हेतु प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार पीड़ितों के हितों का संरक्षण करने तथा सुरक्षा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

वीरांगना रानी अवन्तीबाई लोधी का संघर्ष व बलिदान हर भारतवासी के लिए प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 16 अगस्त, 2025 को यहां स्वाधीनता संग्राम सेनानी वीरांगना रानी अवन्तीबाई लोधी की 195वीं जयन्ती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वीरांगना रानी अवन्तीबाई लोधी ने तत्कालीन तानाशाही पूर्ण हुकूमत को उखाड़ने के लिए भारत के स्वाधीनता संग्राम में एक बड़े संघर्ष को नेतृत्व प्रदान किया था। उनका संघर्ष व बलिदान हर भारतवासी के लिए प्रेरणास्रोत है। डबल इंजन सरकार ने वीरांगना अवन्तीबाई लोधी के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखते हुए बदायूं में उनके नाम पर पी0ए0सी0 की एक नई बटालियन की स्थापना की, जो प्रदेश की बेटियों और महिलाओं के लिए समर्पित है। इसके अलावा, लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी तथा गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर पी0ए0सी0 बटालियन की स्थापना की जा रही है। प्रदेश सरकार बदायूं में वीरांगना अवन्तीबाई लोधी जी की मूर्ति स्थापना के कार्यक्रम करा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में मातृशक्ति के प्रति सम्मान व्यक्त करने हेतु महारानी लक्ष्मीबाई जी के नाम पर जनपद झांसी में केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना तथा जनपद बांदा के मेडिकल कॉलेज का नामकरण महारानी दुर्गावती जी के नाम पर किया गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस बल में विगत 08 वर्षों में 02 लाख 19 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती की गयी है, जिसमें 20 प्रतिशत प्रदेश की बेटियां हैं। वर्तमान में प्रदेश की बेटियां मिशन शक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मातृशक्ति के प्रति सम्मान के क्रम में डबल इंजन सरकार लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जन्म त्रिशताब्दी महोत्सव पर विभिन्न रचनात्मक अभियान तथा कार्यक्रम संचालित करा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की स्मृतियों को बनाए रखने के लिए प्रदेश सरकार ने कामकाजी महिलाओं के लिए 07 स्थानों पर श्रमजीवी छात्रावास निर्माण के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है। यह नए छात्रावास कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित स्थल, रोजगार प्राप्ति में सुगमता तथा आश्रय स्थल प्रदान करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

भविष्य में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में सबसे ज्यादा सम्भावना हाइड्रोजन एनर्जी में : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 17 अगस्त, 2025 को जनपद गोरखपुर में टोरेण्ट समूह के ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ऊर्जा व स्वास्थ्य क्षेत्र, पर्यावरण की रक्षा तथा आने वाले समय में विभिन्न गंभीर बीमारियों से बचाव में ग्रीन ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह प्लांट प्रदूषण से मुक्त ऊर्जा प्राप्ति की दिशा में एक नया प्रयास है। यह उत्तर प्रदेश का पहला तथा देश का दूसरा प्लांट है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से आज इस ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का उद्घाटन हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि यदि जीव सृष्टि, मानव सभ्यता को बचाना है, तो हमें नेट कार्बन जीरो की तरफ जाना होगा। हमें कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करना होगा। पहले घरों में भोजन लकड़ी से बनाया जाता था, जिससे कार्बन उत्सर्जन होता था। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से देश में 10 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये गए हैं। परिणामस्वरुप फेफड़े, आंख से सम्बन्धित विभिन्न बीमारियों से निजात मिली है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने स्वतंत्रता दिवस-2025 के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अगले फेज के लिए बड़ी धनराशि की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि टोरेण्ट ग्रुप का यहां एक सी0एन0जी0 प्लाण्ट है और आज ग्रीन हाईड्रोजन एनर्जी का प्लाण्ट लगाया गया है। अब यहां हाईड्रोजन एनर्जी तथा सी0एन0जी0 की ब्लेडिंग होगी और इसके उपरान्त इसे घर-घर रसोई गैस के रूप में पहुंचाया जायेगा। टोरेण्ट ग्रुप द्वारा आगरा में घरों में बिजली उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। टोरेण्ट ग्रुप द्वारा 16 अन्य जनपदों में भी पी0एन0जी0 के माध्यम से रसोई गैस उपलब्ध करायी जा रही है। आज प्रदेश में पाइप से पेयजल और पाइप से रसोई गैस लोगों को प्राप्त हो रही है। पाइप से गैस की आपूर्ति प्रधानमंत्री जी की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जो विकसित भारत की संकल्पना को सुदृढ़ कर रही है। हमारे पास ऊर्जा के स्रोतों के रूप में हाइड्रो पावर व थर्मल पावर हैं। उत्तर प्रदेश ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बहुत समृद्ध है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हाईड्रोजन एनर्जी के माध्यम से टोरेण्ट ग्रुप एक नयी रिसर्च को आगे बढ़ा रहा है, कि जो भी एनर्जी बनेगी, वो हाईड्रोजन एनर्जी में परिवर्तित होकर उपयोग में आ सके। यह हाइड्रोजन एनर्जी हमारे पास 24 घण्टे उपयोग के लिए रहेगी। भविष्य में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में सबसे ज्यादा सम्भावना हाईड्रोजन एनर्जी में है। यह भविष्य की ऊर्जा है। आने वाले समय में यह एनर्जी मोबाइल की तरह सस्ती हो जायेगी। यह एनर्जी पूरी दुनिया की तकदीर बदल देगी। ग्रीन एनर्जी की सबसे ज्यादा सम्भावनाएं उत्तर प्रदेश में हैं। हमें इन सम्भावनओं को आगे बढ़ाना होगा। आज गोरखपुर में इस सम्भावना को टोरेण्ट ग्रुप ने आगे बढ़ाया है। टोरेण्ट ग्रुप सी0एन0जी0 या पी0एन0 जी0 में हाइड्रोजन का सम्मिश्रण कर उसे पाइप के माध्यम से घर-घर उपलब्ध कराएगा। यह गुरप ग्रीन एनर्जी के उत्पादन के साथ नवाचार का केन्द्र होगा और लोगों के जीवन को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का निर्माण होना स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 17 अगस्त, 2025 को जनपद गोरखपुर में रीजेन्सी हॉस्पिटल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देश व प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक परिवर्तन आया है। जनपद गोरखपुर में 260 बेडेड अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का निर्माण होना स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें एक छत के नीचे कॉर्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, ऑन्कोलॉजी, कैथ लैब, 80 बेडेड आई0 सी0यू0 आदि से जुड़ी स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी। इस अस्पताल के मॉडर्न ओ0 टी0 में इंफेक्शन की सम्भावना नगण्य होगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार तथा नेपाल के लोगों को गोरखपुर में यह सुविधा प्राप्त होना अत्यन्त प्रशंसनीय कार्य है। इस दौरान उन्होंने हॉस्पिटल का निरीक्षण कर वहां की चिकित्सीय व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अस्पताल उपचार का माध्यम होता है, लेकिन पर्याप्त सतर्कता व सावधानी न बरतने पर इंफेक्शन की सम्भावना बनी रहती है। यह स्थिति मरीज के लिए जानलेवा साबित होती है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए रीजेन्सी के साथ मिलकर इस नये सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का यहां शुभारम्भ किया जा रहा है। इस क्षेत्र की 05 करोड़ जनता के लिए यह अस्पताल स्वास्थ्य सुविधा का केन्द्र बनेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि रीजेन्सी हॉस्पिटल ने जनपद कानपुर से अपनी यात्रा प्रारम्भ की थी। रीजेन्सी हॉस्पिटल को कानपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं का बैकबोन माना जाता है। कोविड काल खण्ड के दौरान भी रीजेन्सी हॉस्पिटल ने बेहतरीन सेवाएं प्रदान कीं। अब कानपुर के अतिरिक्त अन्य जनपदों में भी रीजेन्सी हॉस्पिटल की चेन प्रारम्भ हुई है। जिस स्वास्थ्य सुविधा के लिए यहां नागरिकों को दिल्ली-मुम्बई जैसे बड़े शहरों में जाना पड़ता है। वह सुविधा उन्हें अपने ही जनपद में उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले गरीबों को महंगी स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 5.50 करोड़ लोगों को 05 लाख रुपये तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है। आयुष्मान भारत तथा मुख्यमंत्री जनआरोग्य योजना वंचित लोगों को विधायक अपनी निधि से 25 लाख रुपये तक की सहायता उपचार के लिए प्रदान कर सकता है। मुख्यमंत्री राहत कोष से एक वर्ष में 1100 करोड़ रुपये गरीबों को उपलब्ध कराये गये हैं। यह सुविधाएं पहले पिक एण्ड चूज पर आधारित थीं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वास्थ्य के इस क्षेत्र में हमें नये मॉडल प्रदान करने पड़ेंगे। गोरखपुर के चिकित्सों ने आज से 22-23 वर्ष पूर्व गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय के माध्यम से एक नया मॉडल आगे बढ़ाया था। ब्लड बैंक प्रभारी एवं डिप्टी सी0एम0 ओ0 के रूप में डॉ0 अवधेश अग्रवाल वहां विगत कई वर्षों से अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। पहले गोरखपुर में आई0 सी0यू0, डायलिसिस तथा ब्लड सेपरेटर यूनिट की सुविधा नहीं थी, लेकिन डॉ0 अग्रवाल के प्रयासों से यहां यह सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। अब यहां एन्जियोप्लास्टी, बाईपास सर्जरी, लंग्स, लिवर व किडनी ट्रांसप्लाण्ट आदि सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं से युक्त अपग्रेडेड मॉडल बनाने की आवश्यकता है।

सलोनी हार्ट सेंटर प्रदेश में वर्ष 2023 के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सुफल : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 18 अगस्त, 2025 को यहां संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एस0जी0पी0जी0आई0) में एस0बी0आई0 फाउण्डेशन आई0सी0यू0 प्रोजेक्ट का शुभारम्भ किया। सलोनी हार्ट सेण्टर बच्चों की जन्मजात हृदय सम्बन्धी बीमारियों के उपचार के लिए समर्पित है। इस अवसर पर एस0बी0आई0 फाउण्डेशन ने सलोनी हार्ट सेण्टर को लगभग 10 करोड़ रुपये का सहयोग प्रदान किया। इस राशि से सेण्टर को आधुनिक उपकरणों और आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में बच्चों के हृदय सम्बन्धी रोगों के लिए उच्चस्तरीय उपचार सुविधा की कमी लम्बे समय से महसूस की जा रही थी। ऐसे में सलोनी हार्ट सेण्टर प्रदेश की एक बड़ी उपलब्धि है। डेढ़ वर्ष पूर्व शुभारम्भ किए गए इस सेण्टर में अब तक 300 से अधिक बच्चों की हार्ट सर्जरी सफलतापूर्वक हो चुकी है। हार्ट सेंटर का पहला चरण पूर्णतः क्रियाशील है, जबकि दूसरे चरण का कार्य तेजी से प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री जी ने सलोनी हार्ट फाउण्डेशन के संचालक दम्पती श्रीमती मिली सेठ एवं श्री हिमांशु सेठ के प्रयासों की सराहना की। साथ ही एस0बी0आई0 फाउण्डेशन के सहयोग की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सलोनी हार्ट सेण्टर प्रदेश के हजारों परिवारों के जीवन में नई उम्मीद का संचार कर रहा है। यह पहल वर्ष 2023 के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रत्यक्ष सुफल है और बच्चों के जीवन की रक्षा में अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हो रही है।

मुख्यमंत्री जी ने यह भी उल्लेख किया कि उत्तर प्रदेश ने पूर्व में इंसेफेलाइटिस जैसी गम्भीर बीमारी के उन्मूलन में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है और अब बच्चों के हृदय रोगों के उपचार में भी ठोस प्रगति हो रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एस0बी0आई0 फाउण्डेशन का यह सहयोग सलोनी हार्ट सेण्टर को और अधिक क्षमता सम्पन्न बनाएगा तथा आने वाले समय में बच्चों के जीवन की रक्षा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

फॉरेंसिक साइंस आज की आवश्यकता है और भविष्य के विकसित भारत की आधारशिला : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 18 अगस्त, 2025 को यहां उत्तर प्रदेश राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान में 'साइबर युद्ध के आयाम, बहुपक्षीय कानूनी ढांचे, फॉरेंसिक और रणनीतिक प्रतिकार' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय समिट का शुभारम्भ करने के उपरान्त अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं को टैबलेट प्रदान किये। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने पद्मश्री डॉ0 लाल जी सिंह एडवांस्ड डी0एन0ए0 डायग्नोस्टिक सेन्टर (ए0डी0डी0सी0), ए0आई0, ड्रोन और रोबोटिक्स लैब 'तरकश' व अटल पुस्तकालय का उद्घाटन किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के समस्त जनपद/कमिश्नरेट हेतु 75 मोबाइल फॉरेंसिक वैन (एम0एफ0वी0) का फ्लैग ऑफ भी किया।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए मुकजीमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस प्रदेश पुलिस तथा भावी पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए न्यू ऐज कोर्सेज और तकनीक से जोड़ रहा है। यह आज की आवश्यकता है और भविष्य के विकसित भारत की आधारशिला है। आज उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस का तीसरा स्थापना दिवस है। संस्थान की विगत दो वर्षों की उपलब्धियां इसे आगे बढ़ने के लिए एक सुदृढ़ नींव प्रदान करती हैं। यह प्रसन्नता का विषय है कि संस्थान अपना तीसरा सत्र प्रारम्भ कर चुका है। विकसित भारत के विकसित उत्तर प्रदेश में तीन दिवसीय समिट का आयोजन वर्तमान की चुनौतियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करने में हमें मजबूती प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर यहां तीन दिवसीय समिट आयोजित हो रही है। हमें यह देखना होगा कि फॉरेंसिक साइंस की आज की आवश्यकताएं क्या हैं। साइबर फ्रॉड से बचने तथा नेशनल सिक्योरिटी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हम कैसे इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। ड्रोन टेक्नोलॉजी तथा रोबोटिक्स के लाभ और चुनौतियां क्या हैं। इन सभी मुद्दों पर यहां एक नये मंथन के माध्यम से हम वर्तमान की चुनौतियों के अनुरूप समाज को तैयार कर सकेंगे, तो इसका लाभ देश की सर्वाधिक आबादी वाले राज्य की जनता के साथ ही यहां की पुलिस फोर्स को भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में मात्र 04 फॉरेंसिक लैब थी। उस समय अपराधी को सजा नहीं हो पाती थी, क्योंकि कोई अपराध होने पर सैम्पल के परिणाम आने में कई वर्ष लग जाते थे। जब तक सेम्पल की टेस्टिंग का नंबर आता था, तब तब सैम्पल नष्ट हो चुके होते थे और अपराधी को सजा नहीं मिल पाती थी। उस समय जीरो टॉलरेंस मात्र वक्तव्यों तक ही सीमित था। हमने उत्तर प्रदेश की 18 रेंज में 'ए' ग्रेड की फॉरेंसिक लैब की स्थापना की ओर अपना ध्यान केन्द्रित किया। वर्तमान में 12 लैब्स बनकर तैयार हैं और 06 निर्माणाधीन हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जुलाई, 2024 से तीन नये कानून लागू हुए। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अन्तर्गत 07 वर्ष से अधिक दण्ड वाले हर अपराध के लिए, जिनमें फॉरेंसिक साक्ष्य अनिवार्य है, हम हर जनपद में एक-एक मोबाइल

फॉरेंसिक यूनिट पहले ही उपलब्ध करा चुके हैं। आज राज्य सरकार ने 75 जनपदों के लिए 75 नई मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट उपलब्ध करायी हैं। यह घटना स्थल से साक्ष्य एकत्र करने और अपराधी को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जनपद में ही एकमात्र साइबर थाना था। लखनऊ में साइबर थाना निर्माणाधीन था। हमारी सरकार ने प्रदेश के सभी जनपदों में साइबर थानों की स्थापना की है। सभी 1,587 थानों में साइबर हेल्प डेस्क बनायी गयी है। यहां मास्टर ट्रेनर भेजे गये हैं, जो पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। साइबर फ्रॉड रोकने सहित वर्तमान की चुनौतियों का सामना करने के लिए हम शीघ्र ही साइबर मुख्यालय बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर में पूरा युद्ध ही साइबर युद्ध के रूप में लड़ा गया। अब हमें फाइटर प्लेन से आगे जाकर कार्य करना होगा। सुपरसोनिक मिसाइल या ड्रोन जो साइबर चुनौती का सामना कर सके, वही आज उपयोगी हो सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमें वर्तमान चुनौतियों और समाज की मांग के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा। अगर हमारे पास टेक्नोलॉजी नहीं होती, तो महाकुम्भ-2025 सफलता की ऊँचाइयों पर नहीं पहुंच पाता। आज उत्तर प्रदेश पुलिस भी इस दिशा में कार्य कर रही है। अब अपराधी 24 से 48 घण्टे में ही पुलिस के हाथ आ जाते हैं। यह स्थिति उत्तर प्रदेश पुलिस ने विकसित कर ली है। इसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश सुरक्षा के मानकों को तेजी से प्राप्त कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तकनीक ने हमारे जीवन को आसान बनाया है, तो उतनी ही बड़ी चुनौती भी प्रस्तुत की है। हमें उस चुनौती का सामना करने के लिए तकनीक के माध्यम से ही समाधान का मार्ग अपनाना होगा।

प्रदेश की राज्यपाल जी से मुख्यमंत्री जी की शिष्टाचार भेंट

मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, दिनांक 15 अगस्त 2025 को राजभवन, लखनऊ में मा0 राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री जी से इंग्लैंड की उच्चायुक्त की शिष्टाचार भेंट

मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी
से दिनांक 19 अगस्त 2025 को उनके सरकारी आवास 5-कालिदास मार्ग,
लखनऊ पर इंग्लैंड की उच्चायुक्त लिंडी कैमरून जी ने शिष्टाचार भेंट की।

पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धांजलि

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 16 अगस्त, 2025 को लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में श्रद्धेय अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देते हुए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 16 अगस्त, 2025 को लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में 'अतुलनीय अटल जी' पुस्तक का विमोचन करते हुए।

मुख्यमंत्री जी ने संस्कृति विभाग का मोबाइल एप लॉन्च किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 15 अगस्त, 2025 को अपने सरकारी आवास पर 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्कृति विभाग का मोबाइल ऐप लॉन्च करते हुए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 15 अगस्त, 2025 को अपने सरकारी आवास पर 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधान भवन के समक्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले एक सांस्कृतिक दल को सम्मानित करते हुए।

स्वतंत्रता दिवस की झलकियां

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित